वार्षिक परीक्षा सत्र -2025

कक्षा 7वीं

विषय- हिन्दी

समय-3.00 घंटे पूर्णांक -70

प्रश्न 1. 'हम पंछी उन्मुक्त गगन के' पाठ के रचयिता हैं-

(क) भवानी प्रसाद मिश्र (ख) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

(ग) शिवमंगल सिंह 'सुमन' (घ) महादेवी वर्मा

प्रश्न 2. लेखक ने नदियों और हिमालय का रिश्ता बताया है-

(क) नाना-नातिन का (ख) ससुर-बहू का

(ग) पिता-पुत्री का (घ) भाई-बहिन का

प्रश्न 3. कठपुतली को दुःख होता था-

(क) धागों में बँधे होने का (ख) दूसरों के इशारों पर नाचने का

(ग) हरदम नाचने का (घ) धागे खिंचने का

प्रश्न 4. चिकों को उठाकर छज्जों पर नीचे की ओर झाँकने लगती थीं-

(क) बच्चे (ख) युवतियाँ

(ग) बूढ़ी औरतें (घ) घर की बहुएँ

प्रश्न 5. 'गल्ले-सा' शब्द का अर्थ है-

(क) भीड़-सा (ख) झुण्ड-सा

(ग) गोलक-सा (घ) इनमें से कोई नहीं

प्रश्न 6 रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(1) आकाश का ..... बाँधकर । (दुपट्टा/साफा)

(2) सूरज की चिलम..... बैठा है। (खींचता/पकड़कर)

(3)हम..... जल पीने वाले । (बहता/ठहरा)

(4) हिमालय की गोद में ..... बनकर ये कैसे खेला करती हैं? (पुत्रियाँ/बच्चियाँ)
(5) ये धागे क्यों हैं मेरे..... (पीछे-आगे/आगे-पीछे)

प्रश्न 7. हर तरह की सुख-सुविधाएँ पाकर भी पक्षी पिंजरे में बंद क्यों नहीं रहना चाहते ?
उत्तर-हर तरह की सुख-सुविधाएँ पाकर भी पक्षी पिंजरे में इसलिए बंद नहीं रहना चाहते, क्योंकि उन्हें बंधन में रहना पसन्द नहीं। वे अपनी इच्छा के अनुसार खुले आसमान में ऊँची उड़ान भरना, बहता जल पीना और निबौरियाँ खाना ही चाहते हैं।

प्रश्न 8. कठपुतली को गुस्सा क्यों आया?
उत्तर-कठपुतली के आगे-पीछे धागे बँधे हुए थे इसलिए वह दूसरों के इशारों पर नाचने के लिए विवश थी। उसे अपनी इस विवशता पर दुःख होता था। वह अपने पैरों पर खड़ा होकर आत्मनिर्भर बनना चाहती थी। इसलिए उसे गुस्सा आया।

प्रश्न 9. खिलौने वाले के आने पर बच्चों की क्या प्रतिक्रिया होती थी?
उत्तर-खिलौने वाले की मधुर और सुरीली आवाज सुनकर बच्चों में हलचल मच जाती थी। वे अपने खेलों को छोड़कर घरों, गलियों और उद्यानों से उसके पास खिंचे चले आते थे। इस हड़बड़ी में किसी की टोपी गिर जाती थी तो किसी के जूते उद्यान में ही छूट जाते थे।

प्रश्न 10. रोहिणी को मुरली वाले के स्वर से खिलौने वाले का स्मरण क्यों हो आया?
उत्तर-रोहिणी को मुरली वाले के स्वर में खिलौने वाले का स्मरण इसलिए हो आया, क्योंकि मुरलीवाला भी खिलौनेवाले की तरह ही मधुर और मादक आवाज में मुरलियाँ बेच रहा था।

प्रश्न 11. लैटरबक्स को सभी लाल ताऊ कहकर क्यों पुकारते थे?
उत्तर–लैटरबक्स को सभी लाल ताऊ कहकर इसलिए पुकारते थे, क्योंकि वह पूरा का पूरा लाल रंग में रंगा हुआ था। साथ ही वह चोरी–चोरी सबकी चिट्ठियाँ पढ़कर समाज के लिए चिंतित होता था।

प्रश्न 12. कवि ने अंधकार की तुलना किससे की और क्यों की है?
उत्तर–कवि ने अंधकार की तुलना भेड़ों के गल्ले से की है, क्योंकि जिस प्रकार भेड़ों के झुंड में भेड़ें एक–दूसरे से सटकर इकट्ठी हो जाती हैं, उसी प्रकार शाम को अंधकार भी चारों ओर फैल जाता है।

प्रश्न 13. अपनी माँ से झूठ बोलते समय तोत्तो–चान की नज़रें नीची क्यों थीं?
उत्तर–अपनी माँ से झूठ कहा कि वह यासुकी–चान से मिलने उसके घर 'डेनेन चोफु' जा रही है, तोत्तो–चान में आत्मविश्वास पहले जैसा नहीं था। इसी कारण वह अपनी माँ से नज़रें मिलाकर बात नहीं कर पा रही थी और उसकी नज़रें नीची थीं।

प्रश्न 14. रहीम ने क्वार के बादलों की तुलना किससे और क्यों की है?
उत्तर–रहीम ने क्वार के बादलों की तुलना उन लोगों से की है जो पहले अमीर थे लेकिन अब वे गरीब हो चुके हैं। जैसे क्वार माह के बादल केवल गरजते हैं, पर बरसते नहीं हैं। ठीक उसी प्रकार अमीरी से निर्धन हुए व्यक्ति केवल दिखावे के रूप में अमीरी की बात करते हैं जबकि वे भीतर से खोखले होते हैं।

प्रश्न 15. आँख में तिनका पड़ने के बाद घमंडी की क्या दशा हुई?
उत्तर–आँख में तिनका पड़ने के बाद घमंडी तिलमिला उठा और बेचैन हो गया, क्योंकि उसकी आँख लाल होकर दुखने लगी, जिससे उसका सारा घमंड चूर–चूर हो गया।

अथवा

घमंडी की आँख से तिनका निकालने के लिए उसके आस–पास के लोगों ने क्या किया?
उत्तर–आँख में तिनका पड़ने पर आसपास के लोगों ने कपड़े की मूंठ बनायी और उससे तिनका बाहर निकालने का प्रयास किया।

प्रश्न 16. 'खानपान की बदलती तसवीर' पाठ में क्या सन्देश दिया गया है?.
उत्तर–'खानपान की बदलती तसवीर' पाठ में यह सन्देश दिया गया है कि हम दूसरे देशों और प्रान्तों के खानपान को अपनाएँ, लेकिन स्थानीय व्यंजनों के महत्त्व को अपना कर उन्हें भी बढ़ावा दें।

प्रश्न 17. लेखिका को नीलकंठ की कौन–कौनसी चेष्टाएँ बहुत भाती थीं?
उत्तर–लेखिका को नीलकंठ की निम्नलिखित चेष्टाएँ बहुत भाती थीं–
(i) उसका ऊँची गर्दन करके देखना और विशेष भंगिमा के साथ गर्दन नीची करके दाना चुगना।
(ii) हथेली पर रखे हुए भुने चने कोमलता से धीरे–धीरे उठा कर खाना और गर्दन को टेढ़ी करके शब्द सुनना।
(iii) मेघ गर्जना होने पर उसका इन्द्रधनुष के गुच्छे जैसे पंखों को मंडलाकर बनाकर तन्मय होकर नृत्य करना।
(iv) लेखिका के सामने सतरंगी मंडलाकार छाता तानकर नृत्य की भंगिमा में खड़ा हो जाना।

प्रश्न 18. नीचे दी गई पंक्ति का आशय अपने शब्दों में लिखिए-
'माखन-रोटी हाथ मँह लीनी, गउवन के रखवारे।'
उत्तर-गायों के रखवाले अर्थात् ग्वाल-बाल अपने हाथों में रोटी और मक्खन लिए हुए गायों को चराने जाने के लिए तुम्हारी प्रतीक्षा में खड़े हैं।

प्रश्न 19. मीरां को सावन मन भावन क्यों लगने लगा ? उत्तर-मीरां को सावन मन भावन इसलिए लगने लगा, क्योंकि सावन के आते ही मीरां को कृष्ण के आने की भनक लग गयी है।

प्रश्न 20. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए
प्राचीन काल से मानव समाज में रह रहा है तथा व्यक्ति समाज की एक इकाई है। मानवों के समूह से समुदाय बनता है। समाज का विकास तभी संभव है जब सभी स्वस्थ हों। 'स्वस्थ व्यक्ति स्वस्थ राष्ट्र' की भावना की पूर्ति के लिए स्वस्थ समाज की आवश्यकता होती है। स्वस्थ समाज से तात्पर्य यह है कि इसमें रहने वाला प्रत्येक व्यक्ति शारीरिक, - मानसिक, बौद्धिक व भावात्मक रूप से स्वस्थ हो तथा समाज के हित में कार्य करे। उत्तम स्वास्थ्य से युक्त मानव ही समाज का सर्वांगीण विकास कर सकता है।
प्रश्न 1. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।
प्रश्न 2. स्वस्थ राष्ट्र के लिए क्या आवश्यक है?
प्रश्न 3. समाज का सर्वांगीण विकास कौन कर सकता है?
प्रश्न 4. अवतरण का सार लिखिए।

उत्तर-1. शीर्षक - 'स्वस्थ समाज'।
2. स्वस्थ राष्ट्र के लिए स्वस्थ समाज आवश्यक है।
3. समाज का सर्वांगीण विकास उत्तम स्वास्थ्य से युक्त मानव ही कर सकता है।

4. सार–मनुष्य समाज में रहता है । स्वस्थ मनुष्यों से ही स्वस्थ समाज तथा स्वस्थ राष्ट्र का निर्माण होता है। शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक एवं भावात्मक रूप

प्रश्न 21. वीर कुँवर सिंह के व्यक्तित्व की कौन–कौनसी विशेषताओं ने आपको प्रभावित किया?

उत्तर–वीर कुंवर सिंह के व्यक्तित्व की निम्नलिखित विशेषताओं ने हमें प्रभावित किया है–

(1) वीर सेनानी–वीर कुँवर सिंह एक वीर सेनानी थे। उन्होंने 1857 में अंग्रेजों के प्रति हुए विद्रोह में बढ़–चढ़ कर हिस्सा ही नहीं लिया, बल्कि उसके लिए सफल योजनाएँ भी बनाईं। वे युद्ध–कला में पूरी तरह से निपुण थे और छापांमार प्रणाली के आधार पर युद्ध लड़ा करते थे। आरा पर विजय प्राप्त करने पर उन्हें फौजी सलामी भी दी गई थी।

(2) सहयोगी स्वभाव–वीर कुँवर सिंह में वीरता के साथ– साथ कोमल भावनाएँ भी थीं। वे हमेशा सभी के साथ सहयोग भावना से कार्य करते थे। हिन्दू और मुसलमानों के सभी त्योहार मिलकर मनाते थे।

(3) दृढ़ संकल्पी–वीर कुँवर सिंह दृढ संकल्पी थे। वे हमेशा देश की रक्षा के लिए तत्पर रहे। इसीलिए वे मरने से तीन दिन पूर्व जगदीशपुर में विजयपताका फहरा सके।

(4) समाज–सेवक–वीर कुँवर सिंह साहसी, देशभक्त होने के साथ–साथ एक अच्छे समाज–सेवक भी थे। समाज– सेवा की दृष्टि से उन्होंने अपने जीवन में कई पाठशालाओं, कुओं, व तालाबों का निर्माण कराया और गरीबों की हरसंभव सहायता की।

प्रश्न 22. ध्यानचन्द को हॉकी का जादूगर कहा जाता है, क्यों?
उत्तर–ध्यानचन्द को हॉकी का जादूगर इसलिए कहा जाता है, क्योंकि उन्हें हॉकी खेलने की अद्भुत क्षमता एवं दक्षता हासिल थी। जब वे हॉकी खेलते थे तब उनकी हॉकी खेलने की शैली तथा उनके द्वारा बनाये जाने वाले गोलों की संख्या उन्हें विलक्षण बनाती थी। उनकी हॉकी की जादूगरी देखकर विपक्षी उनकी स्टिक पर शक करते थे, इसलिए कई बार उनकी स्टिक की खेल के दौरान जाँच भी कराई गयी। उनकी स्टिक से गेन्द इस तरह चिपक कर खेल के मैदान में आगे बढ़ती रहती थी कि विपक्षी दाँतों तले उंगली दबाकर रह जाते थे। इसीलिए उन्हें हॉकी का जादूगर कहा जाता है।

प्रश्न 23. अपने विद्यालय के प्रधानाध्यापक को शुल्क मुक्ति हेतु प्रार्थना पत्र लिखिए ।

अथवा

अपने विधालय के प्रधानाध्यापक को दो दिन के अवकाश के लिए प्रार्थना पत्र लिखो ।

प्रश्न 24 निम्न में से किसी एक विषय के पर 200 शब्दों में निबंध लिखो ।
1.मेरा प्रिय खेल
2. रंगो का त्यौहार होली
3.मेरे प्रिय शिक्षक
4. स्वच्छ भारत अभियान